ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में उल्लास नव भारत साक्षरता के अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम शनिवार को

वर्धा, 23 जनवरी 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सहयोग से 24 जनवरी को विश्वविद्यालय के कस्तूरबा सभागार में अध्यापक शिक्षा संस्थानों के लिए उल्लास नव भारत साक्षरता के अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

पूर्वाह्न 09:00 बजे से आयोजित कार्यक्रम में आर.आई.ई. भोपाल के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार उल्लास योजना के क्रियान्वयन में अध्यापक शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋषभ मिश्रा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और समुदाय सहभागिता से विकसित भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ करने में शैक्षिक संस्थानों की भूमिका पर, एससीईआरटी महाराष्ट्र के निदेशक राहुल रेखावर अध्यापक शिक्षा संस्थानों के लिए उल्लास: आगे की राह विषय पर, महाराष्ट्र सरकार, निदेशक (योजना), के. वी. पाटिल महाराष्ट्र राज्य में उल्लास के कार्यान्वयन की स्थिति पर उद्घाटन सत्र में विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर करेंगे। स्वागत संबोधन शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. समरजीत यादव करेंगे तथा धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अलका योगी करेंगी।

द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ की परामर्शदाता ज्योति तिवारी उल्लास– नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं अध्यापक शिक्षा संस्थानों में सामाजिक चेतना केंद्र विषयों पर संबोधित करेंगी तथा अपराह्न 12:30 बजे से अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहायक प्रोफेसर डॉ. ऋषभ मिश्रा उल्लास के अंतर्गत टीईआईएस की भूमिका एवं दायित्व विषय पर राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नई दिल्ली की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अलका योगी एनसीईआरटी वेबसाइट पर शिक्षार्थियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों हेतु संसाधन सामग्री पर, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र – प्रकोष्ठ, नई दिल्ली की परामर्शदाता ज्योति तिवारी उल्लास ऐप पर एवं राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नई दिल्ली के परामर्शदाता डॉ. सियाराम मीणा आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता विषय पर संबोधित करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने 'सबके लिए शिक्षा' की परिकल्पना को सुदृढ़ करते हुए देश के प्रत्येक अशिक्षित नागरिक को साक्षर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2022 में उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य उन सभी 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के असाक्षर व्यक्तियों को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करना है, जिन्होंने किसी भी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह गए।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत मार्च 2021 में स्थापित राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ उल्लास कार्यक्रम के शैक्षणिक एवं अकादमिक समर्थन हेतु समर्पित रूप से कार्य कर रहा है। सीएनसीएल राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय स्थापित कर 100% साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय जन-आंदोलन है। शिक्षक शिक्षा संस्थानों की सक्रिय सहभागिता के बिना इस लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ के सतत प्रयासों, सुव्यवस्थित योजना एवं सभी हितधारकों के सहयोग से यह विश्वास है कि उल्लास कार्यक्रम देश में साक्षरता की नई परिभाषा स्थापित करेगा और भारत को पूर्ण साक्षर राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध होगा।

हिंदी विश्वविद्यालयात 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम शनिवारी

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वर्धा, 23 जानेवारी 2026 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नवी दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षण परिषद आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय यांच्या संयुक्त विद्यमाने 24 जानेवारी रोजी विश्वविद्यालयाच्या कस्तुरबा सभागृहात अध्यापक शिक्षण संस्थांसाठी 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात येत आहे.

सकाळी 09:00 वाजता सुरू होणाऱ्या या कार्यक्रमात आर.आय.ई. भोपाळचे सहायक प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार 'उल्लास' योजनेच्या अंमलबजावणीत अध्यापक शिक्षण संस्थांची भूमिका या विषयावर, आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्लीचे सहायक प्रोफेसर डॉ. ऋषभ मिश्रा 'राष्ट्रीय शिक्षण धोरण 2020 आणि समुदाय सहभागातून विकसित भारताचे उद्दिष्ट बळकट करण्यात शैक्षणिक संस्थांची भूमिका' या विषयावर, एससीईआरटी महाराष्ट्राचे संचालक राहुल रेखावर 'अध्यापक शिक्षण संस्थांसाठी उल्लास : पुढील वाटचाल' या विषयावर, तर महाराष्ट्र शासनाचे संचालक (नियोजन) के. व्ही. पाटील उद्घाटन सत्रात 'महाराष्ट्र राज्यातील उल्लास कार्यक्रमाच्या अंमलबजावणीची स्थिती' या विषयावर आपले विचार मांडतील. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी शिक्षण विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकूर करतील. स्वागत भाषण शिक्षण विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. समरजीत यादव करतील तर आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठाच्या वरिष्ठ सल्लागार डॉ. अलका योगी करतील.

द्वितीय सत्रात राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठाच्या सल्लागार ज्योती तिवारी 'उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम आणि अध्यापक शिक्षण संस्थांमधील सामाजिक चेतना केंद्रे' या विषयावर मार्गदर्शन करतील. दुपारी 12:30 वाजता आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्लीचे सहायक प्रोफेसर डॉ. ऋषभ मिश्रा 'उल्लास अंतर्गत टीईआयएसची भूमिका व जबाबदाऱ्या' या विषयावर, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नवी दिल्लीच्या वरिष्ठ सल्लागार डॉ. अलका योगी एनसीईआरटी संकेत स्थळावरील शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षकांसाठी उपलब्ध संसाधन सामग्रीवर, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठाच्या सल्लागार ज्योती तिवारी 'उल्लास ॲप'वर, तसेच राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नवी दिल्लीचे सल्लागार डॉ. सियाराम मीणा 'आधारभूत साक्षरता व संख्यात्मकता' या विषयावर संबोधित करतील.

राष्ट्रीय शिक्षण धोरण 2020 ने 'सर्वांसाठी शिक्षण' या संकल्पनेला बळ देत देशातील प्रत्येक अशिक्षित नागरिकाला साक्षर करण्याच्या गरजेवर भर दिला आहे. या पार्श्वभूमीवर शिक्षण मंत्रालय, भारत सरकारने एप्रिल 2022 मध्ये उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम सुरू केला असून, कोणत्याही कारणामुळे औपचारिक शिक्षणापासून वंचित राहिलेल्या 15 वर्षे व त्यापेक्षा अधिक वयाच्या सर्व निरक्षर व्यक्तींना आधारभूत साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करणे हा या कार्यक्रमाचा उद्देश आहे.

राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) अंतर्गत मार्च 2021 मध्ये स्थापन झालेला राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ उल्लास कार्यक्रमासाठी शैक्षणिक व अकादमिक पाठबळ देण्यासाठी समर्पितपणे कार्यरत आहे. सीएनसीएल राज्ये व केंद्रशासित प्रदेशांशी समन्वय साधून 100 टक्के साक्षरतेचे उद्दिष्ट साध्य करण्यासाठी सातत्याने प्रयत्न करत आहे.

'उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' ही केवळ शैक्षणिक पहल नसून, एक राष्ट्रीय जनआंदोलन आहे. अध्यापक शिक्षण संस्थांच्या सक्रिय सहभागाविना हे उद्दिष्ट साध्य होणे शक्य नाही. राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठाचे सातत्यपूर्ण प्रयत्न, सुव्यवस्थित नियोजन आणि सर्व हितधारकांच्या सहकार्यामुळे उल्लास कार्यक्रम देशात साक्षरतेची नवी व्याख्या प्रस्थापित करेल आणि भारताला पूर्ण साक्षर राष्ट्र बनविण्याच्या दिशेने निर्णायक पाऊल ठरेल, असा विश्वास व्यक्त करण्यात आला आहे.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305